AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में स्थापित होगी रोजगार अध्ययन पीठ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में रहे छात्र-छात्राओं को रोजगार विषयक बेहतर ज्ञान के साथ रोजगार प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित करने के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय रोजगार अध्ययन पीठ की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है।

सरकार ने प्रथम चरण में स्वीकृत किए एक करोड़ रुपये

विवि की ओर से पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव को शासन ने स्वीकृति देते हुए पीठ की स्थापना के लिए वित्तीय स्वीकृति दे दी है। शासन ने इसके लिए स्वीकृत दो करोड़ रुपये में से वित्तीय वर्ष 2020-21 में प्रथम चरण में एक करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस संबंध में सोमवार को उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि धनराशि का व्यय वित्तीय नियमों के अनुसार पीठ के उद्देश्यों के लिए ही किया जाएगा। धनराशि सहायता अनुदान के रूप में दी जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा अनुदान के संबंध में नियमों एवं समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि सात तक बढ़ी

लखनऊ। लविव ने मई-जून 2020 के यूजी, पीजी, डिप्लोमा कोर्स के रेग्युलर, बैक पेपर आदि के परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि फिर बढ़ाकर सात नवंबर तक कर दी है। कोरोना काल में लविवि ने भी फाइनल ईयर को छोड़कर अन्य वर्ष के विद्यार्थियों को प्रमोट किया है। किंतु काफी विद्यार्थियों ने न तो परीक्षा फॉर्म भरा न ही शुल्क जमा किया। इससे उनके प्रमोशन में दिक्कत हो सकती है। इसे देखते हुए विवि बार-बार परीक्षा आवेदन की तिथि बढ़ा रहा है। अभी भी लगभग 500 विद्यार्थियों ने फॉर्म नहीं भरा है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना के अनुसार छात्र 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ फॉर्म ऑनलाइन भर सकते हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 3

लविवि में होगी रोजगार अध्ययन पीठ की स्थापना

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय, अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को रोजगार विषयक बेहतर ज्ञान प्राप्त करने का अब मौका मिलेगा। प्रदेश सरकार ने इसके लिए विद्यार्थियों को रोजगार तथा रोजगार प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित किए जाने के उद्देश्य से महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय रोजगार अध्ययन पीठ की स्थापना किए जाने का निर्णय लिया है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय व्यय का प्राविधानित दो करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि धनराशि का व्यय सुसंगत वित्तीय नियमों के अनुसार पीठ के उद्देश्यों के लिए ही किया जाएगा। धनराशि सहायता अनुदान के रूप में व्यक्त की जा रही है विश्वविद्यालय द्वारा अनुदान के संबंध में सुसंगत नियमों एवं समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

NBT PAGE 5

एलयू : 7 तक भर सकते हैं परीक्षा फॉर्म

■ एनबीटी, लखनऊ : लखनऊ विवि ने 11वीं बार स्टूडेंट्स को परीक्षा फॉर्म भरने का मौका दिया है। एक बार फिर 7 नवंबर तक पोर्टल खोला गया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि अब तक 200 से अधिक स्टूडेंट्स ने परीक्षा फॉर्म नहीं भरा है। ऐसे स्टूडेंट्स के आग्रह पर पोर्टल खोला गया है। हालांकि अब इसके बाद कोई मौका नहीं दिया जाएगा।

i-NEXT PAGE 4

तो 32 साल बाद पद्मश्री मालिनी अवस्थी को मिलेगा गोल्ड मेडल!

LUCKNOW (2 Nov, inext): पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने लखनऊ यूनिवर्सिटी से बीए ऑनर्स कोर्स में टॉप करने पर मिलने वाला मेडल देने की इच्छा जाहिर की है. उन्होंने 32 साल पहले यूनिवर्सिटी से बीए ऑनर्स कोर्स पूरा किया था. उनका कहना है कि वह उस साल की टॉपर हैं. उनके इस दावे के बाद यूनिवर्सिटी ने उन्हें मेडल देने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है. पेश है **श्यामचंद्र सिंह** की रिपोर्ट

i SPECIAL

23 नवंबर को शताब्दी वर्ष

एलयू 23 नवंबर को शताब्दी वर्ष मना रहा है. इसके लिए यूनिवर्सिटी की ओर से कई तरह से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. इसी कड़ी में यूनिवर्सिटी अपने कई पुराने स्टूडेंट्स, जिन्होंने विभिन्न फिल्ड में अपना नाम व मुकाम बनाया है, उन्हें समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहा है. इसमें मालिनी अवस्थी को भी आमंत्रित किया गया है.

प्रख्यात लोक गायिका हैं

मालिनी अवस्थी भारतीय लोक गायिका है, वह हिन्दी भाषा की बोलियों जैसे अवधी, बुंदेली भाषा और भोजपुरी में गाती हैं, खासतौर पर ठुमरी और कजरी में भी प्रस्तुत करती हैं. भारत सरकार ने उन्हें 2016 में नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया है.

32 साल पहले एलयू से किया था बीए ऑनर्स का कोर्स

1987 में पूरा किया था बीए ऑनर्स

पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने लखनऊ यूनिवर्सिटी से बीए ऑनर्स का कोर्स सन 1987 में पूरा किया था. वह अपने बैच की टॉपर थीं. इस हिसाब से उन्हें उस साल इस कोर्स का गोल्ड मेडल मिलना था. इस मामले पर यूनिवर्सिटी का कहना है कि उनको मेडल के लिए पहले यूनिवर्सिटी में दावा पेश करना होगा. इसके बाद यूनिवर्सिटी उनकी मार्कशीट को वेरीफाई करेगी. अगर उस समय कोई मेडल उनके कोर्स में दिया जाता रहा है और उनका दावा सही मिलता है तो उनको मेडल दिया जाएगा. इतनी बड़ी कलाकार को मेडल देना हमारे लिए गर्व की बात होगी.

अवध की रौशन चौकी करेगी परफॉर्म

नवाबों का खास दरबारी बाजा जो बदशाहों और बड़े-बड़े अमीरों के खाने के समय बजता था, शताब्दी वर्ष में मालिनी अवस्थी इसी की प्रस्तुति देंगी. रोशन चौकी में शहनाई, तबलची, तोरही, ढोल ताशा, करना, सारंगी व अन्य वाद्य यंत्रों के साथ गायकों की जुगलबंदी फैजाबाद की समृद्ध संगीत परंपरा की कहानी बयां करती है.

मालिनी अवस्थी हमारी पूर्व छात्रा हैं. वे प्रख्यात लोकगायिका हैं. अगर उनका दावा सही है तो उनको मेडल जरूर दिया जाएगा.
प्रो. निशी पांडेय, कन्वीनर, शताब्दी वर्ष समारोह

- एलयू में बीए ऑनर्स कोर्स के पहले बैच की छात्रा रही हैं मालिनी
- एलयू उनके दावे की जांच कर देगा शताब्दी समारोह में देगा मेडल

JAGRAN CITY PAGE III

लविवि में सात तक परीक्षा फॉर्म भरने का मौका

लखनऊ विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को परीक्षा फॉर्म भरने का एक और मौका दिया गया है। स्नातक सम सेमेस्टर की कक्षाओं-बीए, बीएससी, बीकाम बीसीए, एमसीए, बीएससी एंव एमएससी (एग्रीकल्चर) एवं बैक पेपर/इम्प्रूवमेंट/ इक्जेम्टेड परीक्षा मई-जून-2020 की परीक्षाओं के ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तारीख 7 नवंबर तक बढ़ा दी गई है।

परीक्षार्थी पांच सौ रुपये विलम्ब शुल्क के साथ सात नवम्बर तक

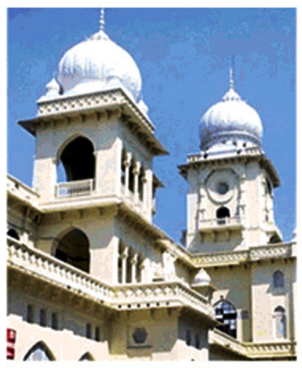

शुल्क जमा कर सकते हैं।

विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सभी संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष कार्यालय को निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन भरे गए परीक्षा फॉर्मों को विलम्ब शुल्क के साथ अग्रषित करते हुए अनिवार्य रूप से परीक्षा विभाग को उपलब्ध कराना होगा। वहीं संबद्ध महाविद्यालयों के नियमित/बैक पेपर/इम्प्रूवमेंट के छात्रों को ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरकर परीक्षा शुल्क एवं विलम्ब शुल्क ऑनलाइन जमा करने के बाद सम्बन्धित महाविद्यालय में जमा करना है। जिन कक्षाओं की परीक्षाएं हो चुकी है, उनके परीक्षा फॉर्म नही लिए जाएंगे।

PIONEER PAGE 4

रोजगार अध्ययन पीठ की स्थापना के लिए बजट मंजूर

लखनऊ। राज्य सरकार ने लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को रोजगार विषयक बेहतर ज्ञान प्राप्त करने का अवसर तथा विद्यार्थियों को रोजगार तथा रोजगार प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित किए जाने के उद्देश्य से महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय रोजगार अध्ययन पीठ की स्थापना किए जाने हेतु बजट स्वीकृत किया गया है। शासन स्तर पर जारी आदेश के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय व्यय में प्राविधानित दो करोड़ रुपए में से प्रथम चरण में एक करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि धनराशि का व्यय सुसंगत वित्तीय नियमों के अनुसार पीठ के उद्देश्यों के लिए ही किया जाएगा।

TOI PAGE 3

Malini Awasthi to collect gold medal from LU after 33 yrs

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

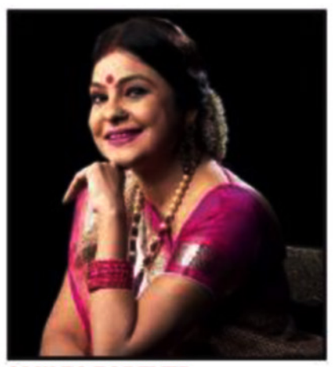

SMILES FOREVER

Lucknow: With a marksheet in hand, this Lucknow University gold medallist who is now a noted folk singer will be back on the campus to perform for her alma mater.

Malini Awasthi, the topper of the first batch of BA (Hons) course in 1987, could not get her medal as no convocation was held that year. She will receive it after 33 years when she comes to perform 'Awadh ki Roshan Chowki' during the centenary celebrations of the university.

In the 1980s, a cultural group called Lucknow University Study Circle was a hub for all creative and talented students. A number of these students have made a big name in the music and dance industry and one such name is Malini's.

"I had joined Allahabad University but left it as my desired subject combination of Sanskrit, history and political science was being offered at Lucknow University. It also gave me a beautiful and magnificent platform to present my songs," said Malini.

Stressing on the innocence on campus in those days, Malini recalled how even in ragging, people were made to do what they were best at, adding that she was asked to sing.

"It is a preconceived notion that students who are good in co-curricular activities like music and dance are not good at studies, but, I had topped my course. Unfortunately, I didn't get my gold medal as no convocation was held," she added.

"Our city Lucknow has a big contribution to the world of music, hence I will talk about Awadh and its contribution to music during my performance of Awadh ki Roshan Chowki," said Malini, who would be joined by musicologist Yatindra Mishra at the event.

Convener of centenary celebrations Prof Nishi Pandey said, "If our student has topped but not got her medal, we will have it verified and ensure that she gets it during the convocation in our centenary celebration week."

100 YEARS LUCKNOW UNIVERSITY

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

लविवि में रोजगार पीठ के लिए 1 करोड़ मिले

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को रोजगार विषयक बेहतर ज्ञान प्राप्त करने का अवसर तथा विद्यार्थियों को रोजगार तथा रोजगार प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित किये जाने के उद्देश्य से महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय रोजगार अध्ययन पीठ की स्थापना किये जाने के लिये वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय व्यय में प्राविधानित दो करोड़ रुपए में से पहले चरण में एक करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि धनराशि का व्यय सुसंगत वित्तीय नियमों के अनुसार पीठ के उद्देश्यों के लिये ही किया जाएगा।